मुख्य संरक्षक
प्रोफेसर टी. जी. सीताराम, चेयरमैन, एआईसीटीई

संरक्षक
श्री राजा राम मील, संरक्षक, एसकेआईटी
श्री सूरजा राम मील, चेयरमैन, एसकेआईटी

मुख्य सलाहकार
श्री जयपाल मील, निदेशक
प्रोफेसर एस. एल. सुराणा, निदेशक (शैक्षणिक)
श्रीमती रचना मील, रजिस्ट्रार
प्रोफेसर रमेश पचार, प्राचार्य
प्रोफेसर आर. के. जैन, डीन
प्रोफेसर पुनीत शर्मा, एंकर, डीडी नेशनल
प्रोफेसर धीरज जोशी, विभागाध्यक्ष, यांत्रिकी विभाग
प्रोफेसर बी. एल. शर्मा, सिविल इंजीनियरिंग विभाग
प्रोफेसर ओना लाडिवाल, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन विभाग
श्री अनिल के. नारंग, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई
प्रोफेसर दिलीप शर्मा, एमएनआईटी (MNIT), जयपुर
प्रोफेसर पी. एम. वी. सुब्बाराव, आईआईटी (IIT) दिल्ली
प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी, आईआईटी(IIT) बॉम्बे
प्रोफेसर के. सुधाकर, यूनिवर्सिटी मलेशिया पहांग
प्रोफेसर अहमद हम्जा एच. अली, अस्सीयूत यूनिवर्सिटी
प्रोफेसर सी. जी. सरवनन, अन्ना यूनिवर्सिटी

समन्वयक
प्रोफेसर आशीष नैय्यर, यांत्रिकी विभाग

सह-समन्वयक
डॉ. सविता चौधरी, प्रबंधन विभाग

आयोजक
श्री दिनेश कु. शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, यांत्रिकी विभाग
डॉ. चंदन कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, यांत्रिकी विभाग
श्री अंकित अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, यांत्रिकी विभाग
डॉ. मनीषा कौशिक, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रबंधन विभाग

आयोजन सचिव
श्री नवीन कु. सैन, असिस्टेंट प्रोफेसर, यांत्रिकी विभाग
श्री तरुण शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रबंधन विभाग

आयोजन समिति
श्री प्रवीण सरस्वत
श्री बृज मोहन शर्मा
श्री नवीन कुमार सैन
श्रीमती मोनिका खुराना
श्री संजय चौधरी
डॉ. अतुल गुप्ता
श्री नितिन गोयल
श्री अरुण बेनीवाल
श्रीमती नमिता सोनी
श्री संदीप कुमार भास्कर
डॉ. अजय वर्मा

पंजीकरण प्रपत्र
इस सम्मेलन में भाग लेने हेतु कृपया निम्नलिखित पंजीकरण लिंक / क्यूआर कोड पर क्लिक करके स्वयं को पंजीकृत करें:

संपर्क सूत्र:

प्रोफेसर आशीष नैय्यर, यांत्रिकी विभाग
मोबाइल: 9314256263
ईमेल: ashishnayyar@skit.ac.in

डॉ. सविता चौधरी, एसो. प्रोफेसर, प्रबंधन विभाग
मोबाइल: 9680080686
ईमेल: savitachoudhary@skit.ac.in

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट पर जाएं:
https://iris2024.skit.ac.in/

एआईसीटीई-वाणी
द्वारा प्रायोजित

नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण और जलवायु सुधार के लिए संधारणीय विकास में नवाचार हेतु राष्ट्रीय संगोष्ठी

आइरिस (IRIS)-2024

(24 – 26 अक्टूबर, 2024)

आयोजन कर्ता

स्वामी केशवानंद इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोथान
(SKIT) रामनगरिया, जगतपुरा, जयपुर–302017
वेबसाइट : www.skit.ac.in

एआईसीटीई-वाणी (AICTE-VAANI) के सन्दर्भ में

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन - एआईसीटीई) ने एक नई योजना 'एआईसीटीई- वाणी ' शुरू की है, जिसका उद्देश्य शिक्षकों और छात्रों के बीच भारतीय क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना है ताकि शिक्षण-प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सके। वाणी का पूरा नाम "वाइब्रेंट एडवोकेसी फॉर एडवांसमेंट एंड नर्चरिंग ऑफ इंडियन लैंग्वेजेज़" है। इस योजना का शुभारंभ एआईसीटीई के चेयरमैन प्रोफेसर टी.जी. सीताराम और पद्मश्री पुरस्कार विजेता और भारतीय भाषाओं के प्रचार के लिए गठित उच्च-स्तरीय समिति के अध्यक्ष चामू कृष्ण शास्त्री द्वारा नई दिल्ली स्थित एआईसीटीई मुख्यालय में किया गया। यह योजना एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, ताकि वे उभरते हुए तकनीकी शिक्षा क्षेत्रों में 12 क्षेत्रीय भाषाओं में न्यूनतम 2 दिन और अधिकतम 3 दिन के सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाओं का आयोजन कर सकें। योजना के तहत 12 उभरते हुए क्षेत्र जिनमें सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, उनमें 'उन्नत सामग्री, दुर्लभ और महत्वपूर्ण खनिज, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष और रक्षा, समुद्री संसाधनों पर आधारित नीली अर्थव्यवस्था (ब्लू इकोनॉमी), ऊर्जा, स्थिरता और जलवायु परिवर्तन, उन्नत कंप्यूटिंग (सुपरकंप्यूटिंग, एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग), अगली पीढ़ी की संचार प्रणाली, स्मार्ट शहर और गतिशीलता, कृषि प्रौद्योगिकी और खाद्य प्रसंस्करण, स्वास्थ्य देखभाल, आपदा प्रबंधन और संधारणीय संवर्धित ढांचा, और विनिर्माण और उद्योग 4.0 शामिल हैं।'

मुख्य वक्ता एवं सत्र संचालक

इस सम्मेलन के विभिन्न सत्रों का संचालन आईआईटी, एनआईटी और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रसिद्ध विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा।

पंजीकरण शुल्क

इस सम्मेलन में आवेदन निःशुल्क है। यह सम्मेलन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा प्रायोजित है।

एस के आई टी (SKIT) के सन्दर्भ में

स्वामी केशवानंद इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोथान (SKIT) एक स्वायत्त संस्थान है, जिसे स्वामी केशवानंद की शिक्षाओं से प्रेरित होकर, 2000 में टेक्नोक्रेट्स और मैनेजर्स सोसाइटी फॉर एडवांस्ड लर्निंग द्वारा स्थापित किया गया था। आज यह संस्थान उत्तरी भारत के शैक्षणिक उत्कृष्टता केंद्रों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है। SKIT राजस्थान का एकमात्र संबद्ध तकनीकी संस्थान है जिसे NAAC द्वारा A++ ग्रेड प्राप्त हुआ है। संस्थान की 6 इंजीनियरिंग शाखाएं NBA द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। यह संस्थान स्वायत्त दर्जा प्राप्त है और राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा से इंजीनियरिंग और प्रबंधन में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए संबद्ध है। SKIT ने पिछले सात वर्षों से राजस्थान में इंजीनियरिंग श्रेणी में RTU, कोटा द्वारा जारी रैंकिंग में लगातार प्रथम स्थान प्राप्त किया है। SKIT उद्योग-संस्थान इंटरफेस के माध्यम से उद्योग-उन्मुख इंजीनियरों और प्रबंधकों को तैयार करने के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अलावा, SKIT विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास की गतिविधियों को भी बढ़ावा देता है। हरे-भरे परिदृश्य, मेहराबों की सौंदर्यपूर्ण सुंदरता और युवा आकांक्षाओं द्वारा ज्ञान की सक्रिय खोज इस माहौल को शांतिपूर्ण, सुखद और गतिशील बनाते हैं। संस्थान में शामिल होने वाले छात्रों को व्यावहारिक दृष्टिकोण, औद्योगिक संपर्क और छात्र-नेतृत्व वाली गतिविधियों के माध्यम से पेशेवर और व्यक्तिगत विकास के कई अवसर मिलते हैं, जो उन्हें अच्छे संचार कौशल, समग्र व्यक्तित्व और बेहतर प्रतिस्पर्धात्मकता विकसित करने में मदद करते हैं।

विषयवस्तु (Themes)

- संधारणीय विकास में नवीकरणीय ऊर्जा की संभावनाएं
- नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जा सुरक्षा
- जलवायु ह्रास और जलवायु सुधार
- स्वच्छ विद्युत उत्पादन के लिए सौर ऊर्जा
- उद्योगों में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी
- ऊर्जा भंडारण उपकरण
- नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकारी पहलों की भूमिका
- विद्युत उत्पादन और उपयोग का प्रबंधन
- सौर तापीय ऊर्जा प्रबंधन
- कार्बन कैप्चर और उपयोग
- समाज और संधारणीय विकास

लक्षित प्रतिभागी (Targeted Participants)

स्नातकोत्तर छात्र, संकाय सदस्य, पाठ्यक्रम डिज़ाइनर, नवाचारकर्ता, उद्योग पेशेवर, शोधकर्ता आदि से नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण और जलवायु लचीलेपन के लिए सतत विकास के विभिन्न पहलुओं पर शोध पत्र आमंत्रित किए जाएंगे। इसके अलावा, यह सम्मेलन क्षेत्रीय भाषा (हिंदी) में नवीनतम समाधानों और तकनीकों पर चर्चा करने में सक्षम होगा, ताकि समाज और समुदाय के व्यापक हिस्से तक विचारों और अवधारणाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एआईसीटीई की वाणी योजना के उद्देश्य को पूरा किया जा सके।